an>

Title: Need to give Marathi language the status of classical language.

श्रीमती पूनम महाजन (उत्तर मध्य मुम्बई) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक मिनट में अपना विषय सदन में रखना चाहती हूं। यह विषय कुछ महीनों से इस सदन के पटल पर बहुत अच्छी तरह से रखा जा रहा है। कुछ दिनों पहले मैंने एक प्रश्न पूछा था कि भारत की बहुत-सी भाषाएं लुप्त हो रही हैं। उन लुप्त होने वाली भाषाओं के लिए और अपनी प्राचीन संस्कृति के लिए हम क्या कर रहे हैं? हमें भारत सरकार से बहुत अच्छा उत्तर मिला है, सरकार ने अच्छा उत्तर दिया है। वही उत्तर के आधार पर मैं भाषा के बारे में कहना चाहती हूं कि आज हम अपने देश में कुछ भाषाओं को अभिजात्य भाषा का दर्जा देते हैं, उनको क्लासिकल लैंग्वेज स्टेटस देते हैं। अभी-अभी उनमें उड़िया भाषा को वह दर्जा मिला है, मैं उसका अभिनंदन करती हूं। उसके पहले संस्कृत, तमिल, तेलगु, कन्नड़ और मलयालम, भाषाओं को सम्मान मिल चुका है। मैं मराठी भाषा के लिए इसलिए कहना चाहती हूं कि महाराष्ट्र में 7 करोड़ लोग मराठी भाषा बोलते हैं, इसका मतलब है कि देश की 7 प्रतिशत जनता मराठी भाषा बोलती है। उसको राज्य मान्यता की जरूरत है और उस के लिए 10 जनवरी, 2012 में प्रोफेसर रंगनाथ पठारे की अध्यक्षता एक समिति का गठन किया गया था। 31 मार्च, 2013 में हमने उस समिति की रिपोर्ट केन्द्र सरकार को दी है। जब भाषा प्राचीन हो तो 1500-2000 वर्ष से पहले उस भाषा की स्क्रीप्ट दिखाई देनी चाहिए। 2219 साल पहले ब्राह्मणी स्क्रीप्ट जो मूल रूप से मराठी का स्क्रीप्ट है, पुणे के जुन्नर तालुका के पत्थर पर उस स्क्रीप्ट को लिखा गया था।...(व्यवधान)

HON. DEPUTY-SPEAKER: You want Marathi to be a classical language status to Marathi.

SHRIMATI POONAM MAHAJAN (NORTH CENTRAL MUMBAI): I would request the Government of India to take Marathi language as the classical anguage. उसे अभिजात्य भाषा का दर्जा बहुत ही जल्द दिया जाए।